सफग्राम

२. ॐ नमः श्रीवज्रसत्वाय ॥ काङ्क्षयाविधि ॥ पूजाकर्म्मक्राय
॥ श्रीः ॥ ॐ नमः श्रीयोगाम्बराय ॥ प्रथमं स्नान वयाग्नीवनुवद्भावि
स्नानना ॥ ह्राय ॥ ॐ स्वभाव सुद्धाः सर्वधर्म्मा स्वभाव ॥ विनायमान
अस्नामा ॥ र्यवान व्यञ्जना ध्वजा ॥ वस्त्रकासिका कुना विनानयप्र
नाक्रिका ॥ न्हत्याहस्तिना ॥ हिं गुनाधनापहत्यानका ॥ कहूनसना
सक्राना ॥ निलजाधमदसा ॥ ॐ आकरवनेहुं ॥ व्रजांकुसजं ॥ ॐ

वज्रयासहुं ॥ वजहान ॥ वज्रांवस्यहुं ॥ ॐ आः प्रदवनसत्रकाना
य ॥ श्रीयोगाम्बर ॥ हनालकाय ॥ सगनयनिद्वानाय ॥ ग्राहूनय
निकुस्वाहा ॥ ० ॥ ॐ नमः श्रीयोगाम्बराय स्वाहा ॥ ॐ ज्ञानडाकिनी
य स्वाहा ॥ ॐ श्रीअर्क्कत्रयायनमस्वाहा ॥ ॐ श्रीवज्रडाकिनियस्वाहा ॥
॥ ॐ क्रोधालडाकिनियस्वाहा ॥ ॐ पूवलाडाकिनियस्वाहा ॥ ॐ हृद
डालडाकिनियस्वाहा ॥ ॐ स्कुसिंघिनियंस्वाहा ॥ ॐ स्मुवाघिनिय

स्वाहा ॥ ॐ म्रां जंबा किनिय स्वाहा ॥ ॐ क्ष्रौं डलाकिनिय स्वाहा ॥ ४
॥ ॐ ह्रूं णकिनिय स्वाहा ॥ ४ ॐ ह्रूं दिपिनिय स्वाहा ॥ ॐ ह्रां स्कंडाला
किनिय स्वाहा ॥ ४ ॐ ऊं कमांडिनिय स्वाहा ॥ ४ ॐ ह्रीं हाऊं घक
सिद्धूं स्वाहा ॥ ॐ ताम्रं दिय स्वाहा ॥ ॐ वाम्रूं दिय स्वाहा ६ ॥
पिचु वनचा निहूं स्वाहा ८ ॥ ॐ कुरुकुल्लु ॥ डनहूं स्वाहा ॥ ज्ञानि
कहूं स्वाहा ॥